शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

26 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 170
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कारगिल के शहीदों को नमन

मुख्यमंत्री ने कहा- शहादत पर प्रदेशवासियों को गर्व

विशेष संवाददाता

देहरादून। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर आज प्रदेशवासियों ने अपने शहीद सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क स्थित शहीद स्थल जाकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और कहा कि प्रदेश के लोग उनके बलिदान पर सदैव गर्व करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड का इतिहास बलिदान का इतिहास है। प्रदेश के लोगों ने देश की सुरक्षा के लिए कभी अपने प्राणों की चिंता नहीं की है। उनकी शहादत प्रदेश वासियों को हमेशा गौरवान्तित करती रहेगी। उन्होंने कहा

शहीदों के परिवारों के सम्मान का रखा हमेशा ख्याल

कि अब समय नहीं रहा है जब हमारी सेना को दुश्मन के हमले का जवाब देने के लिए अधिकारियों और सरकार के आदेशों का इंतजार करना पड़ता है था अब अगर दुश्मन द्वारा गोली चलाई जाती है तो हमारे वीर जवानों द्वारा उनका तुरंत करारा जवाब दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि हमारी सेना द्वारा बीते समय में पाकिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए करारा जवाब देकर यह साफ कर दिया गया है कि अब यह पहले वाला भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सपूतों के कारण हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं उनके परिवारों की सुरक्षा भी सरकारों की जिम्मेदारी है। हमारी सरकार द्वारा सैनिकों व शहीदों के सम्मान में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कारगिल का युद्ध अत्यंत ही कठिन परिस्थितियों में लड़ा गया था दुश्मन ऊंची पहाड़ियों पर डेरा जमाये हुए था लेकिन हमारे वीर जवानों ने उन्हें वहां भी परास्त कर दिखाया था लेकिन इसकी बड़ी कीमत हमें चुकानी पड़ी थी देश के 527 सैनिकों को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी जिसमें से 75 अकेले उत्तराखंड से थे। उन्होंने कहा

कि हमें इन वीर सपूतों की शहादत पर गर्व है उधर आज पूरे देश के साथ राज्य के अन्य तमाम जनपदों जिसमें टिहरी, पौड़ी, अल्मोड़ा सहित अनेक जगहों पर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान चमोली जिले के कालेश्वर में ई.सी.एच.एस एवं सैनिक विश्राम गृह का निर्माण किए जाने एवं नैनीताल में सैनिक विश्राम गृह बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उपनल के माध्यम से पूर्व सैनिकों को रोजगार के लिए विदेश भेजा जाएगा। जिसमें 50 प्रतिशत सिविलियन भी होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के जवानों का मनोबल बढ़ाने के साथ ही सेना को अत्याधुनिक तकनीकों और हथियारों से लैस किया जा रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मात्र चार दिनों में पाकिस्तान को घुटनों के बल पर लाकर खड़ा कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर से दुश्मनों को साफ संदेश दिया कि भारत की बहन-बेटियों के सिंदूर उजाड़ने वालों का नामो निशान मिटा दिए जाते हैं। हमारी सेना दुश्मन की गोली का जवाब गोलों से देती है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर, दायित्वधारी श्रीमती विनोद उनियाल, सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, मेजर जनरल सम्मी सबरवाल (से.नि), निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल(से.नि), एमडी उपनल ब्रिगेडियर जे.एस.बिष्ट, (से.नि), ब्रिगेडियर के.जी बहल, (से. नि), जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, एसएसपी श्री अजय सिंह अन्य सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक एवं शहीदों के परिवारजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वन रैंक-वन पेंशन योजना, नेशनल वॉर मेमोरियल का निर्माण, रक्षा बजट में वृद्धि एवं बॉर्डर पर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किए जाने से संबंधित कई निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने शहीदों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए, परमवीर चक्र से लेकर मेन्सन इन डिस्पैच तक सभी वीरता पुरस्कारों से अंलकृत सैनिकों को दी जाने वाली एकमुश्त तथा वार्षिक धनराशि में भी वृद्धि की है। परमवीर चक्र की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ किया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

देश छोड़कर भागते अमीर

आजादी के बाद होश संभालने वाली पीढ़ी गीतकार राजेंद्र कृष्ण के उस गीत को सुनकर जिसके बोल थे 'जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वह भारत देश है मेरा' को सुनकर आत्म विभोर हो जाती थी और उसका सीना गर्व से चौड़ा हो जाता था तथा राष्ट्रभक्ति की भावना से मन ओतप्रोत हो जाता था उस भारत को आज के वर्तमान की पीढ़ी लाख यत्नों के बाद भी इतिहास के पन्नों में भी कहीं नहीं खोज पा रही है। 1965 से लेकर 2025 तक महज 6 दशकों में वह भारत जो सोने की चिड़िया था न जाने कब कहां और कैसे गुम हो गया? यह एक विचारणीय प्रश्न है। जब देश आजाद हुआ था तब हमारे पास न खाने को दाने थे और न सर छुपाने के लिए आशियाने थे। न स्वास्थ्य सेवाएं थी और शिक्षा की व्यवस्था संसाधनों के नितांत अभाव से देश जूझ रहा था लेकिन हर भारतवासी को अपने भारतीय होने पर इतना गर्व था कि उसे यह सोने की चिड़िया नजर आता था और आज हम जब विश्व गुरु बनने या विकसित भारत और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा करते हैं तब देश के लोगों का भारत से ऐसा मोहभंग होना कि वह देश छोड़कर दूसरे देशों की नागरिकता ले रहे हो तो इसके पीछे कोई तो कारण होगा? बीते 10 सालों में 15 लाख 81 हजार से अधिक लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़कर दूसरे देशों की नागरिकता ली है वहीं विदेश भागने की यह दौड़ अब उस मुकाम पर पहुंच चुकी है कि 2024 में 1 साल में 2 लाख से अधिक लोग देश की नागरिकता छोड़ चुके हैं। विदेश जाना किसी आम आदमी के लिए तो संभव नहीं हो सकता है बड़ी साफ बात है कि जिन लोगों ने भी ब्रिटेन, अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों में जाकर बसने का काम किया है सभी मिलीनियर ही रहे होंगे। गरीब आदमी की तो आज भी स्थिति यह है कि देश के 90 फीसदी लोग तो एक बार भी हवाई सफर नहीं कर सके हैं और वह क्या विदेश जाएंगे जो सरकार के मुफ्त के 5 किलो राशन पर जीवन बसर कर रहे हैं देश को छोड़कर कहां जाएंगे। अगर आप यह जानना चाहते हैं कि देश के अमीर लोग क्यों देश को छोड़कर भाग रहे हैं तो आप देश के उन सिर्फ डेढ़ दो करोड़ लोगों का सर्वे कराकर देख लो जो देश को हर साल करोड़ों रुपए टैक्स देते हैं। आपको पता चल जाएगा कि इसके पीछे कारण क्या है? सरकार जिन लोगों के टैक्स पर ऐश मौज करती है उन लोगों को टैक्स के बदले क्या कुछ देती है? इस सवाल का जवाब आपको यही मिलेगा कि सरकार इसके बदले में सिर्फ उत्पीड़न देती है। फिर ऐसे देश में कोई क्यों रहना चाहेगा जहां वह सरकार को हर साल कई करोड़ कमा कर भी दे और उसके बदले में उत्पीड़न भी झेले। कल राजस्थान के झालावाड़ से एक दुखद खबर आई कि एक स्कूल का जर्जर भवन गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई तथा कुछ बच्चे घायल हो गए। आज के हिंदुस्तान के लिए यह खबर जैसे कोई खबर थी ही नहीं। इसका कहीं कोई जिक्र हुआ न चर्चा। हां खबरों की हैडलाइन में यह खबर जरूर थी कि मोदी ने इंदिरा गांधी को पछाड़ा और वह स्वतंत्र भारत में सबसे अधिक लंबे समय तक पीएम रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। अभी बीते दिनों आपने शायद देश के लाखों स्कूलों को बंद करने की खबर भी पढ़ी होगी जिसे दूसरे स्कूलों में मर्ज करना बताया गया था। बिहार में सरकार 70 हजार करोड़ का हिसाब सीएजी को नहीं दे पाई भ्रष्टाचार की इससे बड़ी प्रकाष्ठा क्या होगी। जस्टिस वर्मा के घर 50 हजार करोड़ जल गए लेकिन उन पर महाभियोग के तहत कार्यवाही न हो पूरा सरकारी तंत्र इस काम में जुटा है। न न्यायपालिका पर भरोसा कि पीड़ित को न्याय मिलेगा। फिर ऐसे देश में भला कौन रहेगा? सिर्फ वह गरीब जो लाचार व मजबूर होंगे।

नर्मदेश्वर मंदिर में शिवमहापुराण कथा के समापन पर किया भंडारे का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। विजय पार्क क्षेत्र में शिवमहापुराण कथा व रुद्राभिषेक का आयोजन 16 जुलाई से 26 जुलाई तक किया गया। उल्लेखनीय है की नर्मदेश्वर मंदिर , विजय पार्क में मंदिर समिति के साथ सभी क्षेत्रवासी हर वर्ष सावन के पवित्र माह में शिवमहापुराण का आयोजन करवाते हैं। आज शिवमहापुराण कथा के समापन में मुख्य व्यास जी - पंडित शिवम अवस्थी ने एकादश कथा में शिवजी के 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा का वर्णन किया जिसको सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति पूर्वक श्रवण किया।

शिवमहापुराण के समापन के उपलक्ष्य में हवन और भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सभी क्षेत्रवासियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। मुख्य व्यास पंडित शिवम अवस्थी ने शिवमहापुराण कथा व भंडारे में मुख्य यजमान के रूप में कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने समापन कथा, हवन व भंडारे में भाग लिया। अभिनव थापर ने कहा कि सावन के पवित्र मास में सभी क्षेत्र के निवासियों का शिवमहापुराण कथा व भंडारे का आयोजन कराना शुभ संकेत है। इससे क्षेत्र के निवासियों को सावन में भगवान महादेव के पूजन के साथ-साथ आपसी सौहार्द का भी मौका मिलेगा और ऐसे धार्मिक आयोजन क्षेत्र में निरंतर होने चाहिए। अभिनव थापर ने बताया कि इस बार सभी क्षेत्रवासियों ने मिलकर शिवमहापुराण का आयोजन किया जो 16 जुलाई से 26 जुलाई तक निरंतर प्रतिदिन चला। कथा की पूर्णाहुति एवं समापन 26 जुलाई को किया गया।

इस आयोजन में आचार्य सत्यम अवस्थी, दिव्या थापर, सुनील गोयल, अमित मिश्रा, प्रदुमन चमोली, कार्तिक मल्होत्रा, राजकुमार कनौजिया, चेतन दास अरोड़ा, तनमय पंत आदि ने भाग लिया।

ट्रक चोरी

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से ट्रक चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मटक माजरी निवासी मन्नान ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना ट्रक ढकरानी पुल के पास खडा किया था। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां आया तो उसका ट्रक अपने स्थान से गायब था।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार महिला की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार महिला की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लम्बगांव टिहरी निवासी दर्शन सिंह ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी अपनी मोटरसाईकिल से कम्पनी से घर की तरफ आ रही थी। जब वह छिददरवाला चौक पर पहुंची तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

पौड़ी। कारगिल विजय दिवस की 26 वीं वर्षगांठ के अवसर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने प्राणों की सर्वोच्च आहुति देने वाले भारतीय सेना के वीर शहीदों को आज पौड़ी में एजेंसी चौक स्थित अमर जवान स्तंभ पर श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी, लोकेश्वर सिंह द्वारा शहीदों को पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए पुलिस गार्द द्वारा पारंपरिक सम्मान के साथ शहीदों को सलामी दी गई। कारगिल विजय दिवस हमें उन अमर बलिदानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

कांवड़ मेले के बाद घाटों पर उतरे डीएम और एसएसपी

●विभिन्न घाटों में साफ-सफाई के लिए पुलिस-प्रशासन का साझा प्रयास

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा 2025 के सफल समापन के लिए सभी जगह प्रशंसा पा रहे डीएम मयूर दीक्षित एवं एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा आज पुलिस एवं प्रशासन के कर्मियों के साथ साझा अभियान चलाते हुए मां गंगा के निकटवर्ती घाटों में साफ-सफाई का जिम्मा सभांला।

रोड़ीबेलवाला एंव अन्य क्षेत्र में चलाए गए सफाई अभियान में घाटों एवं मार्गो पर बिखरी पॉलीथिन, कूड़ा इत्यादि का संग्रह कर उसे डिस्पोज करने हेतु निर्धारित स्थान पर भेजा गया गया। वहीं कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद के समस्त थाना पुलिस द्वारा भी अपने- अपने थाना क्षेत्र में पड़ने वाले गंगा घाटों एवं कांवड़ यात्रा मार्ग पर साफ सफाई के लिए अभियान चलाया गया तथा आमजन को भी सफाई अभियान में जागरुक किया गया।

एसएसपी ने युद्ध स्मारक हल्द्वानी में अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

नैनीताल। देशभर में आज 26वां कारगिल विजय दिवस मनाया जा रहा है। जो भारतीय सेना के साहस, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। भारतीय सेना द्वारा 1999 में ऑपरेशन विजय के तहत दुर्गम पहाड़ियों पर कब्जा दोबारा हासिल किया गया था।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आज एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणाए एसएसपी द्वारा युद्ध स्मारक हल्द्वानी में जाकर शहीद वीरों को नमन कर उनके शौर्य, पराक्रम और सवीच्च बलिदान को याद करते हुए अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने वीर शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण किया तथा पुलिस सम्मान गार्द द्वारा अमर

शहीदों को सलामी दी गई। इस मौके पर गजराज बिष्ट महापौर हल्द्वानी, प्रकाश चंद्र एसपी सिटी हल्द्वानी, राहुल शाह उपजिलाधिकारी हल्द्वानी, नितिन लोहनी सीओ हल्द्वानी, राजेश यादव प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी, हरकेश सिंह प्रतिसार निरीक्षक नैनीताल, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, भूतपूर्व सैनिक सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करें आइस फेशियल

आइस फेशियल कोरियन ब्यूटी के स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा है जिसे क्रायोथेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। यह आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हुए चेहरे को तरोताजा करने, मुंहासों को कम करने, झुर्रियां दूर करने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। यही नहीं, आइस फेशियल से कई तरह के अन्य त्वचा संबंधित लाभ भी मिल सकते हैं। आइए आज इसके पांच प्रमुख फायदे जानते हैं।

बर्फ के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन वाली त्वचा को शांत करते हुए त्वचा से मुंहासों को दूर करने में मदद कर सकते हैं और रोमछिद्रों के आकार को कम करते हैं। दरअसल, आइस फेशियल चेहरे पर तेल के अत्यधिक उत्पादन को कम करता है, जो मुंहासों को बढ़ने से रोकता है। लाभ के लिए मुंहासों से प्रभावित त्वचा पर रोजाना कुछ मिनट बर्फ की मसाज करें।

तनाव और नींद की कमी से आंखों में सूजन आ सकती है। आइस फेशियल आंखों के नीचे की सूजन को कम कर सकता है और आपकी आंखों को तरोताजा कर सकता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के अनुसार, 15-20 मिनट के लिए हल्के दबाव के साथ अपनी आंखों के नीचे कोल्ड कंप्रेस लगाने से सूजन कम हो सकती है। इस तरीके से पूरे चेहरे की सूजन को भी खत्म किया जा सकता है।

अगर आप चेहरे पर प्राकृतिक रूप से निखार चाहते हैं तो स्किन केयर रूटीन में आइस फेशियल को शामिल कर ही लें। चेहरे पर बर्फ लगाने से त्वचा का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और इसके कारण उसमें तेजी से निखार आता है। यह त्वचा में ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। इससे आवश्यक विटामिन और पोषक तत्वों की आपूर्ति में मदद मिलती है।

चेहरे पर आइस फेशियल करने से खुजली और लालिमा वाली त्वचा से राहत मिल सकती है। यह एलर्जी, चकत्ते, अत्यधिक धूप में रहने या मुंहासे के कारण हो सकती है। आइस फेशियल रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके त्वचा पर सामान्य एलर्जी की लक्षणों को शांत कर सकती है। इसके अतिरिक्त, गालों पर ब्लश की तरह काम कर सकती है, क्योंकि इससे उन पर गुलाबी रंग आ जाता है।

सबसे अच्छे प्राकृतिक एक्सफोलिएटर में से एक आइस फेशियल त्वचा से डेड स्किन सेल्स की बाहरी परत को हटाने में मदद करता है। आप अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करने और प्राकृतिक चमक पाने के लिए अपने चेहरे पर मिल्क आइस क्यूब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। दूध में लैक्टिक एसिड डेड स्किन सेल्स को साफ करने में भी मदद करता है।

स्नीकर्स खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

अगर आप फुटवियर में स्नीकर्स पहनना पसंद करते हैं तो उनकी खरीदारी के दौरान कुछ बातों पर विशेष ध्यान दें। वैसे भी आजकल बाजार में स्नीकर्स के कई ब्रांड्स उपलब्ध हैं, लेकिन ब्रांड की चमक-दमक के बजाय यदि आप खुद पर ध्यान देंगे तो सही स्नीकर्स खरीद सकेंगे।

स्नीकर्स खरीदते समय कई लोगों का ध्यान उनके डिजाइन और स्टाइल पर होता है। दरअसल, कई बार लोग सिर्फ स्नीकर्स की खूबसूरती देखकर उसे खरीद लेते हैं, लेकिन स्नीकर्स के पैटर्न के साथ-साथ उनका आरामदायक होना भी बहुत मायने रखता है। अगर आप अपने स्नीकर्स में आरामदायक महसूस करेंगे तो आपको जल्द थकान महसूस नहीं होगी और आप अपने ज्यादातर काम को जल्द निपटा सकेंगे।

जब भी आप स्नीकर्स खरीदें तो आपके पैर की सबसे बड़ी उंगली और चुने गए जूते में हमेशा आधे से एक इंच का अंतर होना चाहिए। इससे उन्हें पहनते समय पैरों में समस्या नहीं होगी। चलते या दौड़ते समय पैर का पंजा आगे की ओर मुड़ता है। यही कारण है कि स्नीकर्स के अंदर कुछ अतिरिक्त जगह की आवश्यकता होती हैइस अतिरिक्त जगह की वजह से आपको चलने में आराम महसूस होगा।

स्नीकर्स के सोल का पर ध्यान देना है जरूरी

स्नीकर्स खरीदते समय उनके सोल का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी होता है। अगर आपके स्नीकर्स के अंदर का सोल मुलायम नहीं होगा तो उन्हें पहनकर चलने से आपकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द होगा और आपको पैरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हमेशा मुलायम सोल वाले स्नीकर्स का ही चयन करें, ताकि आप बिना किसी दिक्कत के उन्हें पहनकर चल या दौड़ कर सकें।

विश्वसनीय ब्रांड के स्नीकर्स ही खरीदें

कई बार लोग सस्ते दाम देखकर लोकल ब्रांड के स्नीकर्स खरीदना बेहतर समझते हैं, लेकिन यह गलत है। इससे पैरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको ब्रांडेड और विश्वसनीय कंपनियों के स्नीकर्स ही खरीदने चाहिए। बड़ी कंपनियां इन्हें बनाने के लिए सभी नियमों का पालन करती हैं और उनकी टेस्टिंग भी की जाती है। जबकि लोकल स्नीकर्स को बनाने के दौरान ऐसा कुछ भी नहीं किया जाता।

यह बहुत आसान काम है, क्योंकि इसके लिए आपको बस एक चीज की जरूरत होगी। दरअसल, स्नीकर्स की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए उनका ख्याल रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए अपने स्नीकर्स के ऊपर छह से बारह महीने में एक बार शू प्रोटेक्टर स्प्रे का इस्तेमाल करें। यह प्रोटेक्टर आपके स्नीकर्स के उपर एक प्रोटेक्टिव कोटिंग करेगा और जिसके कारण आपके स्नीकर्स खराब नहीं होंगे।

कारगिल युद्ध में शहीद जवानों के परिजनों को कांग्रेस ने किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। कारगिल युद्ध के विजय दिवस पर शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए देश के 527 व उत्तराखण्ड के 75 बहादुरों के बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग द्वारा कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित शहीद सैनिक परिजन सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि भारत भूमि पर कब्जा करने के दुस्साहस का करारा जवाब देते हुए भारतीय सैन्य बलों के द्वारा 1999 में ऑपरेशन विजय में शहीद हुए देश के 527 जिसमें उत्तराखंड के 75 जवान शामिल थे इन शहीदों के बलिदान को उत्तराखंड व देश की जनता हमेशा याद रखेगी व इसका ऋण कभी उतारा तो नहीं जा सकता लेकिन उनकी स्मृतियों को हमेशा संजो कर उनसे हमेशा देश के लिए त्याग और बलिदान की प्रेरणा अवश्य ली जाएगी। धस्माना ने कहा कि मई 1999 में पांच हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने घुसपैठ कर भारतीय भूमि कारगिल पहाड़ियों पर कब्जा जमा लिया था। उन्होंने कहा कि सियाचिन ग्लेशियर की लाइफ लाइन को किसी तरह काट कर उस पर नियंत्रण करने के लिए जिससे लद्दाख की ओर जाने वाली रसद को रोक कर सियाचिन पर कब्जा कर लिया जाए इस रणनीति के तहत पाकिस्तान ने यह दुस्साहस किया था जिसका उसे मुंह तोड़ जवाब भारतीय सैन्य बलों ने दिया और 3 मई 1999 से 26 जुलाई 1999 तक चले इस युद्ध में विजय हासिल होने तक भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद व 1363 घायल हुए वहीं दुश्मन देश पाकिस्तान के 3000 सैनिक मारे गए थे व हजारों घायल हुए थे। धस्माना ने कहा कि इस युद्ध की कई गौरव गाथाएं हैं व हर भारतीय सैनिक जिसने यह युद्ध लड़ा वो इस कठिनतम युद्ध का हीरो है।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध का पहला सैनिक शहीद हुआ कैप्टन सौरभ कालिया जिनको व पांच अन्य सैनिकों को पाकिस्तानी सेना ने एक मुठभेड़ के बाद कब्जे में ले कर 22 दिन तक यातनाएं दीं और बाद में उनके शव भारत को सौंप दिए। धस्माना ने कहा कि इसके अलावा कैप्टन विक्रम बत्रा, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, मेजर राजेश सिंह अधिकारी ऐसे नाम हैं जिनके शौर्य और बलिदान पर देश को गर्व है। धस्माना ने कहा कि इस युद्ध की एक सबसे बड़ी खासियत और सफलता के पीछे वो बोफोर्स तोप है जिसके लिए स्वर्गीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी व उनके परिवार को झूठा प्रचार कर बदनाम किया गया। धस्माना ने कहा कि बोफोर्स तोपे इस युद्ध में सबसे अधिक कारगर साबित हुईं और भारत की विजय में इनकी भूमिका बहुत अहम रही। धस्माना ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा पंचायत चुनावों में व्यस्त होने के कारण आज इस गरिमामय कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए किंतु उन्होंने सभी शहीदों के परिवार जनों को अपना प्रणाम भेजा है। कार्यक्रम में एक दर्जन शहीद परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे जिनको अंग वस्त्र व माला पहना कर उपहार दिए गए व प्रदेश कांग्रेस की ओर से सम्मान पत्र दे कर सम्मानित किया गया।

गर्भावस्था में संतुलित खानपान बेहद जरुरी

गर्भवती महिला का भोजन प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और पोषक तत्वों से भरा होना चाहिए। अगर प्रेग्नेंसी में ऐसा आहार लिया जाए, तो यह गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं के खतरे को कम करने के लिए काफी है। गर्भावस्था के शुरुआती चरणों में ही डाइट प्लान तैयार करना बेहतर रहेगा।

गर्भवती महिलाओं को कैल्शियम के लिए दूध और दूध उत्पादों जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन में वृद्धि करनी चाहिए। साबुत अनाज में फाइबर, विटामिन और कार्बोहाइड्रेट की प्रचुर मात्रा होती है। यह पचने में भी आसान होता है। इससे गर्भावस्था के दौरान कब्ज और बवासीर जैसी समस्याओं का खतरा कम होता है। दालें प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं। शाकाहारियों को प्रोटीन के लिए प्रतिदिन 45 ग्राम मेवे और 2/3 कप दालों या फलियों की आवश्यकता होती है। आप चना, राजमा, मूंगफली, बीन्स, सोयाबीन, मूंग में से कोई भी दाल अपनी सुविधा के हिसाब से इस्तेमाल कर सकती हैं। गर्भवती को दिन के हर आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली, सोया, मेथी आदि शामिल करना चाहिए। इनमें आयरन, विटामिन ए, सी और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होते हैं। स्वस्थ बच्चे के लिए ये काफी जरूरी हैं। इससे जन्म के समय बच्चे का वजन संतुलित रहता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां फोलिक एसिड और बायोटिन दोनों का एक अच्छा स्रोत है। रायता के अलावा छाछ इसका अच्छा विकल्प हो सकता है। अंडे से भरपूर प्रोटीन मिलता है। हर दिन कम से कम दो अंडे जरूर लें। भ्रूण के शरीर की मांसपेशियों, त्वचा, अंगों और ऊतकों को बनाने के लिए प्रोटीन की निरंतर आपूर्ति की जरूरत होती है।

अंडे से मिलने वाले प्रोटीन से यह जरूरत पूरी की जा सकती है। ड्राई फ्रूट का प्रोटीन बच्चे के मानसिक विकास के लिए जरूरी होता है। इनमें प्रचुर मात्रा में फोलिक एसिड, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फास्फोरस, विटामिन ए, बी6, सी, डी आदि मिलते हैं। किशमिश, अंजीर, बादाम, काजू, अखरोट, खजूर, सूखे बेर आदि में आयरन, फाइबर, पोटेशियम, विटामिन के और ग्लूकोज आदि होते हैं। गर्भवती महिलाओं को नियमित पानी पीने से मिचली, अम्लता, जलन और अपच से राहत मिलती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से मूत्रमार्ग के संक्रमण से भी बचाव होता है। फोलिक एसिड रीढ़ की हड्डी के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है।

दूध और अन्य डेयरी उत्पादों से मिलने वाला कैल्शियम भ्रूण में मजबूत हड्डियों के निर्माण के लिए आवश्यक होता है। अगर आप शाकाहारी हैं, तो प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत पाश्चराइज्ड दूध है। साथ ही दुग्ध उत्पाद जैसे दही, पनीर आदि भी प्रोटीन के बहुत अच्छे स्रोत हैं। दही एक सुपरफूड है। दही कैल्शियम, विटामिन बी-12 और पोटैशियम से भरपूर होता है। यह हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा

प्रिया चौहान

पूर्णिया जिले के टेटमा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों को 'डायन' बताकर जिंदा जलाया जाना आधुनिक भारत के माथे पर एक शर्मनाक धब्बा है। यह घटना किसी एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि हमारे समाज की उस सामूहिक असफलता की गवाही है, जिसमें विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा आज भी कई जीवन निगल रहा है। आज भारत विश्वगुरु बनने की बात कर रहा है, चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों पर करोड़ों का निवेश कर रहा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग की दिशा में अग्रसर है। लेकिन क्या इन वैज्ञानिक उपलब्धियों का कोई मतलब रह जाता है, जब हमारे गांवों में दो सौ से अधिक लोगों की भीड़, एक बीमार बच्चे के ठीक न होने की वजह से, एक पूरे परिवार को 'डायन' बताकर जिंदा जला देती है ? यह घटना साफ़ दर्शाती है कि भारत में विज्ञान के विस्तार और वैज्ञानिक चेतना के विस्तार के बीच एक गहरी खाई है। हम रॉकेट तो बना रहे हैं, लेकिन समाज के भीतर वैज्ञानिक सोच नहीं बना पा रहे। 'डायन प्रथा' जैसी बर्बर कुप्रथा आज भी जीवित है, क्योंकि हमने शिक्षा को केवल परीक्षा पास करने का माध्यम बना दिया है, सोचने, तर्क करने और जिज्ञासा से सच्चाई तलाशने का अभ्यास नहीं सिखाया। यह घटना सवाल उठाती है कि आखिर हमारी स्कूल व्यवस्था, हमारे सामाजिक जागरूकता अभियान, और हमारे जनप्रतिनिधि इस अंधविश्वास से लडने में क्यों विफल हो रहे हैं ? आज भी बिहार के हजारों गांवों में विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित है। ग्रामीण स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया तो जाता है, लेकिन विज्ञान की दृष्टि यानी आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच का विकास नहीं हो पाता। क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि बीमारी किसी डायन के कारण नहीं, बल्कि बैक्टीरिया, वायरस, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण होती है ? क्या हम गांवों में यह बात पहुँचा पा रहे हैं कि हर प्राकृतिक घटना का वैज्ञानिक कारण होता है और इसका हल किसी ओझा या तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर और वैज्ञानिकों के पास होता है । इस हत्याकांड की भयावहता और खुली बर्बरता इस बात की गवाही देती है कि लोगों के मन से पुलिस और कानून का भय खत्म हो चुका है। दो सौ से अधिक लोग एक परिवार को जला रहे हैं, और कहीं कोई प्रशासन, कोई हस्तक्षेप, कोई सुरक्षा नहीं है,यह 'राज्य विहीनता' की स्थिति है। सरकार की भूमिका केवल एफआईआर और मुआवजे तक सीमित रह गई है। हमें स्वीकार करना होगा कि यह लड़ाई केवल अपराध से नहीं, बल्कि अज्ञान, भय, और पीढियों से चली आ रही कुचेतना से है। इसका जवाब केवल कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती, इसके लिए ज़मीनी स्तर पर एक सघन वैज्ञानिक चेतना अभियान चलाने की जरूरत है। हर पंचायत में 'विज्ञान क्लब' बनाए जाएं, जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भाग लें और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपने जीवन से जोड़ सकें। स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों में अंधविश्वास विरोधी अध्ययन शामिल किया जाए और डायन प्रथा जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध खुलकर चर्चा हो। जन-स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा का गहरा आपस में समन्वय हो, ताकि बीमारी की दशा में लोग ओझा-तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर के पास जाएं। पूर्णिया की यह घटना केवल दुखद नहीं, एक सामूहिक आत्मग्लानि का क्षण है। यह हमें याद दिलाती है कि अगर हम आधुनिकता और परंपरा के बीच सामंजस्य नहीं बना पाए, तो विज्ञान के मंदिरों से निकलकर भी हम अंधविश्वास के दलदल में फंसे रहेंगे। अब समय आ गया है कि बिहार ही नहीं, पूरे देश में वैज्ञानिक चेतना को संविधान के मूल मूल्य की तरह देखा जाए, न कि एक वैकल्पिक विचारधारा के रूप में। जब तक विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं में रहेगा और समाज में उसका प्रभाव नहीं दिखेगा, तब तक ऐसी घटनाएं हमारी आत्मा को जलाती रहेंगी।

मोटापे पर अंकुश लगाने वाला टीका!

मोटापा कम करने के लिए जल्दी ही वैक्सीन यानी टीका विकसित किया जाने वाला है। जी हां, ऐसा इसलिए संभव हो पाएगा, क्योंकि वैज्ञानिकों ने मोटापा और संक्रामक रोग फैलाने वाले वायरस के बीच संबंध होने का सबूत पाया है। इस संबंध में किए गए अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि उन मरीजों जिनका वजन सामान्य या फिर सामान्य से कुछ अधिक रहता है, उनकी तुलना में मोटापे से परेशान मरीजों के शरीर में एडनोवायरस-36 (एडनोवायरस) 4 गुना अधिक पाया जाता है। जानवरों पर किए गए अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि यह वायरस शरीर का 15 प्रतिशत तक वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। इस वायरस का शरीर में दो-तरफा असर होता है। यह वायरस फैट सेल्स में उत्तेजना पैदा करता है जिससे उनमें जलन और सूजन आ जाती है। उसके बाद यह वायरस इन सेल्स को मरने और शरीर से बाहर होने से भी रोक देता है। जिस वजह से ये फैट सेल्स शरीर में जमा होते जाते हैं। जिससे मोटापा बढ़ता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लंबे बालों को उलझन से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

लंबे बालों की खूबसूरती को बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है, खासकर जब बात उलझनों की आती है। उलझे बाल न सिर्फ देखने में खराब लगते हैं बल्कि उन्हें सुलझाने की कोशिश में बालों को भी नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने लंबे बालों को उलझने से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

चौड़े दांतों वाली कंघी का करें इस्तेमाल

बालों की उलझनों को कम करने के लिए चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा तरीका है। पतली कंघी से बालों को सुलझाने पर वे टूट सकते हैं और कमजोर हो सकते हैं। इसलिए हमेशा चौड़ी कंघी का ही उपयोग करें। इससे बाल आसानी से सुलझ जाते हैं और उन्हें नुकसान भी नहीं होता है। इसके अलावा यह कंघी आपके बालों की प्राकृतिक चमक को भी बनाए रखती है, जिससे आपके बाल स्वस्थ और खूबसूरत दिखते हैं।

डीप-इन कंडीशनर लगाएं

बालों की उलझनों को कम करने के लिए डीप-इन कंडीशनर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। शैंपू करने के बाद बालों पर हल्का डीप-इन कंडीशनर लगाएं और कुछ मिनट तक छोड़ दें, फिर पानी से धो लें। इससे बाल नरम और मुलायम हो जाते हैं, जिससे उनकी उलझनें अपने आप ही कम हो जाती हैं। इसके अलावा यह बालों की नमी को बनाए रखता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं और आसानी से कंघी से सुलझ जाते हैं।

रात को चोटी बनाएं

रात को सोने से पहले बालों की चोटी बनाना एक अच्छा तरीका हो सकता है, जिससे वे उलझते नहीं हैं। चोटी बनाने से बाल एक जगह पर बंधे रहते हैं और उनकी उलझनें कम होती हैं। इसके अलावा चोटी बनाने से बालों की जड़ों को भी आराम मिलता है और वे टूटने से बचते हैं। यह तरीका बालों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ भी बनाए रखता है।

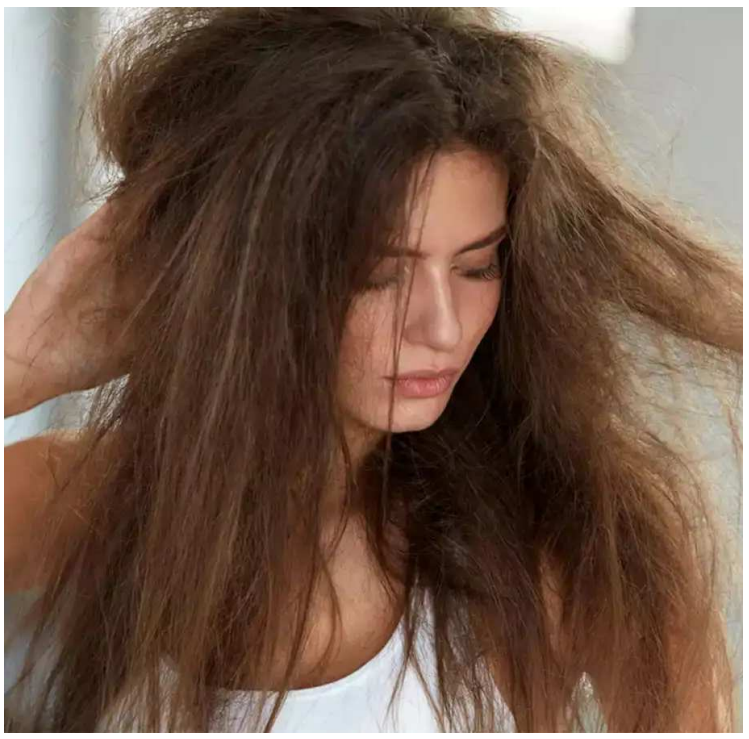

उलझन सुलझाने वाला स्प्रे का उपयोग करें

उलझन सुलझाने वाला स्प्रे बालों की उलझनों को कम करने में मदद करता है। यह स्प्रे खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जिनके बाल लंबे और घुंघराले होते हैं। इस स्प्रे को लगाने से बाल नरम हो जाते हैं और उन्हें सुलझाना आसान हो जाता है। इसके अलावा यह स्प्रे बालों को नमी भी प्रदान करता है, जिससे वे टूटने से बचते हैं और स्वस्थ दिखते हैं। नियमित उपयोग से बालों की चमक भी बढ़ती है।

उंगलियों से पहले सुलझाएं

बालों को सुलझाने के लिए उंगलियों का उपयोग करना बहुत फायदेमंद हो सकता है। जब आपके बाल गीले हों तो धीरे-धीरे उंगलियों से उलझनों को सुलझाएं। इससे बाल टूटेंगे नहीं और उनकी नमी भी बनी रहेगी। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने लंबे बालों को उलझनों से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं। इन टिप्स को अपनाने पर आपके बाल मजबूत, मुलायम और खूबसूरत दिखेंगे।

शब्द सामर्थ्य -23

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

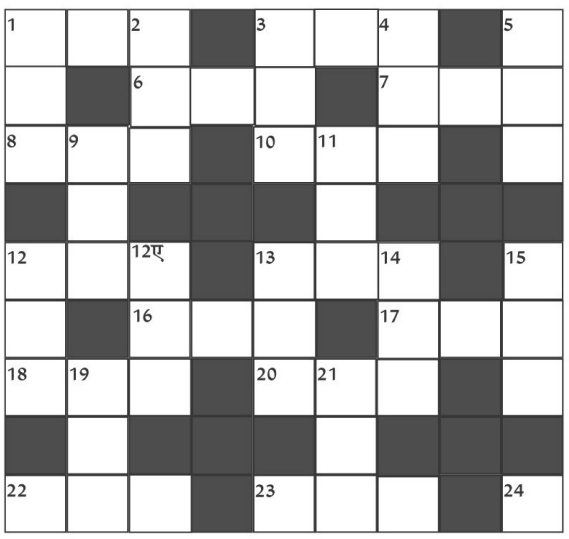

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 22 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

विजय देवरकोंडा स्टारर किंगडम की मिली नई रिलीज डेट से उठा पर्दा

राउडी स्टार विजय देवरकोंडा की आगामी हाई ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर किंगडम, गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित है। फिल्म की रिलीज की तारीख कई मौकों पर विभिन्न कारणों से स्थगित हो गई और आज निर्माताओं ने एक नया प्रोमो जारी किया और नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। वे संदेश लेकर आए एक आदमी। क्रोध से भरा दिल। एक ऐसी दुनिया जिसने बहुत आगे धकेल दिया। अब नरसंहार का समय है। यह फिल्म 31 जुलाई 2025 को प्रतिष्ठित तरीके से रिलीज़ होगी। वीडियो में, विजय देवरकोंडा ने कई खूबियाँ दिखाईं और कई रंगों में दिखाई दिए, जिसमें सभी ने तीव्र एक्शन दृश्यों के साथ रोमांचकारी अभिनय किया। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। विजय देवरकोंडा, भाग्यश्री बोरसे के साथ सीतारा एंटरटेनमेंट और फॉर्च्यून फोर सिनेमा के बैनर तले नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित फिल्म में शानदार तरीके से रोमांस कर रहे हैं। विजय देवरकोंडा इस फिल्म से अपनी सारी उम्मीदें लगा रहे हैं क्योंकि उनकी पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में नाकाम रही थीं।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की धड़क 2 का रोमांटिक पोस्टर जारी

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 का निर्देशन शाजिया इकबाल कर रही हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई फिल्म धड़क का रीमेक है। फिल्म को राहुल बडवेल्कर के साथ मिलकर शाजिया इकबाल ने लिखा है। मेकर्स ने सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की नई फिल्म के पोस्टर का अनावरण भी किया है। पोस्टर पर लिखा हुआ है मरने और लड़ने में से एक को चुनना हो तो लड़ना। इसके बाद लिखा है ट्रेलर इस शुक्रवार को आएगा। पोस्टर में फिल्म की रिलीज की तारीफ भी बताई गई है। यह फिल्म 1 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म मेकर्स ने पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है दो दिल एक धड़क। आपको बता दें कि यह फिल्म साल 2018 में आई ईशान खट्टर की फिल्म धड़क की रीमेक है। जो साल 2016 में रिलीज हुई मराठी फिल्म सैराट की सीक्वल थी। इसका निर्देशन नागराज मंजुले ने किया था। बताया जाता है कि हाल ही में 16 कट के बाद धड़क 2 को यूए सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म में गालियों को म्यूट किया गया है और सवर्ण शब्द के इस्तेमाल को हटा दिया गया है। सबसे पहले यह फिल्म नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी। इसके बाद इसे मार्च 2025 में रिलीज किया जाना था। हालांकि यह तब भी नहीं रिलीज हो सकी। अब इसे 1 अगस्त 2025 को रिलीज किया जाना है। धड़क 2 के अलावा सिद्धांत चतुर्वेदी दिल का दरवाजा खोल न डार्लिंग में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वामिका गब्बी और जया बच्चन होंगी। वह जल्द ही संजय लीला भंसाली के एक प्रोजेक्ट में आने वाले हैं। इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। (आरएनएस)

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 से सामने आई स्मृति ईरानी की पहली झलक

एकता कपूर के सबसे लोकप्रिय धारावाहिकों में से एक क्योंकि सास भी कभी बहू थी के दूसरे सीजन का ऐलान होने के बाद से प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। शो से ज्यादा दर्शक स्मृति ईरानी उर्फ तुलसी बहू की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और अब इससे अभिनेत्री की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद दर्शक की बेताब और बढ़ गई है। स्मृति का ये लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्मृति का तुलसी वाला लुक लीक हो गया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तस्वीर में स्मृति ने मैरून रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है। गले में हार और मंगलसूत्र भी नजर आया। तुलसी ने अपने पति मिहिर विरानी के नाम का सिंदूर मांग में भरा हुआ है। स्मृति को दोबारा तुलसी के लुक में देखना मजेदार है। उन्हें देख लोगों का कहना है कि स्मृति आज भी वैसी ही दिख रही हैं, जैसे पहले थीं। बता दें कि क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में स्मृति के साथ-साथ शक्ति आनंद, अमर उपाध्याय, गौरी प्रधान, हितेन तेजवानी जैसे कलाकार भी अपनी वापसी कर रहे हैं। पहले इसका पहला प्रीमियर जुलाई के पहले हफ्ते में होना था, लेकिन सेट एकता के मुताबिक तैयार नहीं किया गया, जिसके चलते शूटिंग देर से शुरू हुई। एकता पूरा ख्याल रख रही हैं कि लोगों को वापस से पुरानी यादें जीने का मौका मिले। (आरएनएस)

मुझे ब्रह्मांड के रहस्यों में है गहरी दिलचस्पी: रुखसार रहमान

अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस रुखसार रहमान अब एक नए किरदार में नजर आएंगी। वह एक नया चैट शो द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी। रुखसार ने इस टॉक शो को करने के लिए हामी भरने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से कुदरत के चमत्कारों में दिलचस्पी रही है, जैसे कि ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, और पुराणों की कहानियां आदि। इस वजह से उन्होंने इस शो को होस्ट करना स्वीकार किया।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे हमेशा ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, पुराणों और प्रकृति के चमत्कारों में ज्यादा रुचि रही है। ब्रह्मांड में जो रहस्य छिपे हैं, वे मुझे बेहद आकर्षक लगते हैं। ये रहस्य हमारी जिंदगी पर भी असर डालते हैं।

रुखसार के लिए द वेदाज स्पीक शो से जुड़ना उनके अपने विश्वासों का एक स्वाभाविक हिस्सा जैसा है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से प्रकृति की अद्भुत चीजों में गहरी दिलचस्पी रही है। ये चीजें ब्रह्मांड के छिपे हुए राज बताती हैं। इसलिए जब इस शो का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो मुझे लगा कि यह काम मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं खुशी-खुशी इसके लिए तैयार हो गई। मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

भेजा फ्राई 2 की एक्ट्रेस ने बताया कि द वेदाज स्पीक बाकी आध्यात्मिक चैट शोज से बिलकुल अलग है। उन्होंने कहा कि यह शो सिर्फ बातें करने वाला नहीं है, बल्कि यह एक गहरी और अर्थपूर्ण यात्रा है। इसमें लोगों की मदद की जाएगी कि वह अपने अंदर झांकें, खुद को समझें और अपनी असली पहचान से जुड़ें। यह लोगों के अंदर बदलाव लाने की कोशिश करेगा।

रुखसार ने कहा, यह चैट शो कई मायनों में टीवी या ऑनलाइन पर प्रसारित हो रहे शो से काफी हटकर है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो रुखसार कई फिल्मों और टीवी शोज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गॉड तुस्सी ग्रेट हो, सरकार, भेजा फ्राई 2, पीके, उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, और 83 जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कुछ तो लोग कहेंगे, बालवीर, ड्रीम गर्ल, और मरियम खान - रिपोर्टिंग लाइव जैसे पॉपुलर टीवी शोज का भी हिस्सा रही हैं।

रुखसार अब जल्द ही राजकुमार संतोषी की आने वाली फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, शिल्पा शेट्टी और अली फजल जैसे बड़े कलाकार भी हैं। यह फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शन्स के तहत बन रही है। इस फिल्म के जरिए प्रीति जिंटा करीब सात साल बाद इंडस्ट्री में वापसी कर रही हैं। लाहौर 1947 के अलावा, रुखसार के पास उत्तर दा पुत्तर है। इसमें वह अनु कपूर के साथ नजर आएंगी। (आरएनएस)

लाल साड़ी में मोनालिसा ने ढाया कहर

भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन मोनालिसा एक बार फिर अपने ट्रेडिशनल अवतार में छा गई हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें वह लाल रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। यह तस्वीरें उनके अपकमिंग शो जुड़वां जाल के सेट से हैं, जो जल्द ही हंगामा ओटीटी पर रिलीज़ होने वाला है। इन फोटोज़ में मोनालिसा ने सिंपल लेकिन बेहद एलिगेंट लुक कैरी किया है। रेड साड़ी, डीप नेक ब्लाउज़, सिंपल नेकपीस और खुले बालों में मोनालिसा का अंदाज़ बेहद आकर्षक लग रहा है। इस लुक में उनकी सादगी और ग्लैमर का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है। उन्होंने कैप्शन में सवाल भी किया, अनामिका या शुचि? जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह तस्वीरें शो में उनके दोहरे किरदार की झलक दे रही हैं। मोनालिसा की इन तस्वीरों पर फैंस का प्यार जमकर बरस रहा है। कोई उन्हें स्टनिंग ब्यूटी कह रहा है तो कोई बॉम्बशेल इन रेड। इस पोस्ट को कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं। फैंस को अब जुड़वां जाल में मोनालिसा की परफॉर्मेंस देखने का बेसब्री से इंतजार है। हर बार की तरह इस बार भी वह अपनी एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों को इंप्रेस करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा

प्रह्लाद सबानानी

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है।

ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है।

ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है।

इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरु आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है।

भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है, परंतु विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।

टैरिफ के ज़रिए सौदेबाजी का दबाव और अमेरिका फर्स्ट की नीति

हिमानी रावत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति, खासकर टैरिफ को लेकर उनका आक्रामक रुख, वैश्विक व्यापार पर एक बार फिर दबाव बना रहा है। 14 देशों पर थोपे गए नए टैरिफ और ब्रिक्स देशों के लिए अतिरिक्त शुल्क की चेतावनी के बीच भारत के लिए यह समय एक निर्णायक मोड़ है। विशेषकर तब, जब भारत को 26 फीसदी टैरिफ से पूर्ण छूट की उम्मीद है और अमेरिका से चल रही वार्ता एक अंतरिम समझौते की ओर बढ़ रही हैं।

ट्रंप की नीति स्पष्ट है–टैरिफ के ज़रिए सौदेबाजी का दबाव और अमेरिका फर्स्ट की नीति को आक्रामक ढंग से आगे बढ़ाना। लेकिन भारत ने भी एक परिपक्व और रणनीतिक रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान शुरू हुई व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने का प्रयास हो रहा है, पर भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का वक्तव्य इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है– देशहित पहले। यह नारा न केवल राजनीतिक तौर पर सटीक है, बल्कि नीति निर्माण के स्तर पर भी इसका ठोस असर दिख रहा है। भारत कृषि और डेयरी क्षेत्रों को लेकर अडिग है, और यह बिल्कुल उचित है। करोड़ों किसानों की आजीविका इन क्षेत्रों से जुड़ी है। अमेरिका की मांगों के सामने यदि भारत इन संवेदनशील क्षेत्रों को खोलता है, तो यह एक आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक त्रासदी को न्योता देने जैसा होगा। भारत ने अब तक किसी देश के साथ कृषि क्षेत्र नहीं खोला है–यह तथ्य अपने आप में नीति की गंभीरता को दर्शाता है। ऐसे समय में जबकि ट्रंप सरकार ने यूनाइटेड किंगडम और चीन जैसे देशों से सौदे किए हैं, भारत के सामने यह विकल्प है कि वह अंतरराष्ट्रीय दबाव में आकर कोई असमय और असंतुलित समझौता न करे। इस समय अमेरिका भारत से यह अपेक्षा कर रहा है कि वह इस्पात, एल्युमिनियम और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में टैरिफ राहत दे, जबकि बदले में कृषि और डेयरी जैसे संरक्षित क्षेत्रों में अमेरिकी उत्पादों को रास्ता दे। यह व्यापार संतुलन नहीं, बल्कि एकतरफा लाभ का मॉडल है–जिसे भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए स्वीकार करना संभव नहीं है।

भारत को चाहिए कि वह टैरिफ के इस संकट को सिर्फ व्यापारिक विवाद न माने, बल्कि इसे नीतिगत स्वतंत्रता और आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रश्न के रूप में देखे। अमेरिका की 'समयसीमा की तलवार' भारत को डराने के लिए है, लेकिन इससे झुकना नहीं, संवाद से संतुलन बनाना ही हमारे लिए श्रेयस्कर होगा। भारत के पास अब दो स्पष्ट विकल्प हैं–या तो वह '90 दिन की समयसीमा' और 'टैरिफ की धमकी' से घबराकर समझौते की दिशा में तेजी दिखाए, या वह रणनीतिक धैर्य रखते हुए अमेरिका के साथ संतुलित और सम्मानजनक समझौते की प्रतीक्षा करे। ट्रंप प्रशासन बार-बार यह संकेत दे रहा है कि वह किसी भी समय अपनी नीति में बदलाव कर सकता है, बशर्ते दूसरा पक्ष फोन करके कुछ अलग करने की बात करे। यह अनिश्चितता, यह द्वंद्वात्मकता ही अमेरिका की रणनीति का हिस्सा है, जिससे भारत को सावधान रहना होगा।

सू- दोकू क्र.23

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 22 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

आखिर क्यों हो रही हैं नृशंस हत्याएं?

हर्षवर्धन भट्ट

एक के बाद दूसरी ऐसी वारदात सामने आ रही है कि या तो पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की जघन्य हत्या की। या पति ने प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी को मारा। इस तरह की खबरें भी आए दिन पढने को मिलती हैं कि खाना अच्छा नहीं बना इसलिए पति ने पत्नी को इतनी जोर से मारा कि उसकी मृत्यु हो गई। जाहिर है बढ़ते भौतिकवाद और पैसा कमाने की अंधी होड़ ने आम आदमी के जीवन को तनाव से भर दिया है। इसी तनाव और हताशा में वो हिंसक होते जा रहा है।

समाज शास्त्रियों और गैर सामाजिक संगठनों ने इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। दरअसल कुटुंब व्यवस्था के बिगडने से बच्चे को परिवार का दुलार नहीं मिल पाता।

ऐसे में बच्चा या तो आया के भरोसे या दिनभर घर में माता-पिता की राह देखकर एकाकी तौर पर पलता है। बड़ा होकर यही बच्चा थोड़ा सा भी तनाव नहीं झेल पाता और हिंसक हो जाता है। हाल में ऐसी कई घटनाएं प्रकाश में आई हैं। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। इस तरह की घटनाओं के लगातार बढने से दरअसल, देश के समाज शास्त्री चिंतित हैं।

बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 प्रतिशत के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किए। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारहवें मिनट में एक महिला या लडकी का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ अफ्रीकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 प्रतिशत से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 प्रतिशत शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा यह भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 प्रतिशत पुरुषों का भी कत्ल होता है अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। कुल मिलाकर जो कुछ हो रहा है वो बेहद चिंता जगाने वाला है। इस पर समाजशास्त्रियों ने गंभीर विचार कर कोई हल खोजना चाहिए।

दो बाइक चोर दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी बाइक का फ्रेम व खुले पार्टस बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज लक्ष्मण सिंह पुत्र लोका सिंह निवासी जगजीतपुर द्वारा थाना ज्वालापुर पर तहरीर देकर बताया गया था कि 24 जुलाई को चोरों द्वारा लाल मंदिर कॉलोनी से उनकी बाइक चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद दो लोगों को चुरायी गयी बाइक का फ्रेम व उसके पार्टस सहित गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम साहिल पुत्र सनव्वर निवासी मोहल्ला कस्सावान कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार व विशाल कुमार पुत्र तिलक राम निवासी ग्राम चरथावल जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश हाल निवासी मोहल्ला पावधौई कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ट्रेन से हजारों रुपये से भरा पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। ट्रेन से हजारों रूपये से भरा पर्स चोरी हो जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार द्वारिका पुरी जीएमएस रोड निवासी बीपी यादव ने जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ काठगोदाम एक्सप्रेस से आ रहा था। जब वह दून पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उसकी पत्नी का पर्स गायब था जिसमे साढे 13 हजार रूपये नगद व मोबाइल फोन रखा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक आश्रम विकासनगर निवासी विक्की ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता पैदल घर की तरफ आ रहे थे जब वह शिव मंदिर बाडवाला के पास पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बदमाशों ने राहगीर का मोबाइल लूटा

संवाददाता

देहरादून। बदमाशों ने राहगीर के मोबाइल लूटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवली रोड निवासी सहदेव सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह निरंजनपुर मंडी के पास मोबाइल पर बात करते हुए जा रहा था तभी पीछे से दो युवक आये और उसके हाथ से मोबाइल लूटकर वहां से भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ठेकेदार ने दोस्त के साथ मिलकर की चोरी

संवाददाता

देहरादून। टीन शैड का ठेके लेने वाले ठेकेदार ने दोस्त के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा विहार बल्लूपुर निवासी सुवांशी भण्डारी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने सलमान नामक व्यक्ति को अपने घर में टीन शैड डालने का ठेका दिया था। सलमान ने अपने दोस्त मुस्ताक के साथ मिलकर धीरे-धीरे उसके लोहे के पोल, एंगल व पंखों की पंखडी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारी मात्रा में चरस सहित तीन दबोचे

हमारे संवाददाता

नैनीताल। पंचायत चुनाव के दौरान सर्तक पुलिस को खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तीन नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली हल्द्वानी पुलिस व एसओजी की टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम ने क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को फायर सर्विस से 200 मीटर पहले मण्डी बाईपास रोड हल्द्वानी के पास एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार सवार कार को भगाने का प्रयास करने लगे। इस पर पुलिस द्वारा उनको पीछा कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान कार सवार तीन लोगों के पास से 1 किलो 975 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपन नाम नन्दन सिंह पुत्र भवान सिंह निवासी ग्राम बेडचूला थाना मुक्तेश्वर जिला नैनीताल, सौरभ मिश्रा पुत्र चन्द्रसेन मिश्रा निवासी रायनवादा थाना बहेडी जिला बरेली उ.प्र. व हरीश सिंह पुत्र नर सिंह निवासी बेडचूला थाना मुक्तेश्वर जनपद नैनीताल बताया। बताया कि यह चरस हम गांवो से एकत्र कर उसे शहर बेचने के लिए लाते है। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने गांजे के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने केशवपुरी बस्ती के पास रामलीला ग्राउंड के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 510 ग्राम गांजा बरामद कर लिया।

पूछताछ में उसने अपना नाम शांति देवी पत्नी मंगल साहनी निवासी मजनू वाली गली केशवपुरी बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

धर्मान्तरण गैंग के छह लोगों को बी-वारंट पर लाने की तैयारी

संवाददाता

देहरादून। धर्मान्तरण कराने वाले छह लोगों को पुलिस आगरा से बी-वारंट पर लाने की तैयारी में लग गयी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी निवासी व्यक्ति ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री जो पिछले कुछ समय से अजीब व्यवहार कर रही है। शक होने पर जब उन्होंने पूछताछ की तो पता चला कि कुछ मुस्लिम लडके व मुस्लिम लडकी जबरदस्ती उसकी बेटी को बहला फुसलाकर मुस्लिम बनाना चाहते हैं व उसकी बेटी को मुस्लिम बनाने के लिए पैसे व अन्य तरह के लालच दे रहे हैं। जिससे उसकी बेटी अजीब व्यवहार कर रही है। उसकी बेटी को कुछ मुस्लिम लडके नाम अब्दुल रहमान निवासी सहसपुर अबु तालिब मुजफ्फरनगर, अयान व अमन निवासी दिल्ली, मुस्लिम महिला स्वेता निवासी गोवा पैसे व अन्य तरह के प्रलोभन देकर जबरदस्ती मुस्लिम बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उसकी बेटी का ब्रेनवाश करा रहे है तथा उसको शक है कि अन्य मुस्लिम पुरूष व अन्य मुस्लिम महिला इसमें सम्मिलित हो सकते हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि यह मामला अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का है तथा वर्तमान में उत्तर प्रदेश के आगरा में प्रभावित धर्मान्तरण के केस से भी जुडे हैं। इसके पश्चात आगरा पुलिस से सम्पर्क कर पीडिता द्वारा दी गयी जानकारी को आगरा पुलिस के साथ शेयर किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय गैंग से जुडे होने तथा इस सम्बन्ध में आकर पुलिस द्वारा अबु तालिब, अब्दुल रहमान, अब्दुल रहीम, अब्दुल्ला, अब्दुर रहमान, व आयशा उर्फ कृष्णा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका हैं दून पुलिस न्यायालय से बी वारंट लेकर सभी को दून लाने की तैयारी कर रही है जिनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

ईडीआईआई द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं का मां अम्बे बेकरी में अध्ययन भ्रमण

संवाददाता

देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ने प्रशिक्षित महिलाओं को मां अम्बे बेकरी में अध्ययन भ्रमण कराया।

आज यहां भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित और आईडीबीआई बैंक द्वारा वित्तपोषित 18 दिवसीय तकनीकी आधारित उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के उपरांत आज प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 26 महिलाओं को हरीपुर नवादा स्थित मां अम्बे बेकरी, जो मोटे अनाज से निर्मित बेकरी उत्पाद बनाती है, में अध्ययन भ्रमण करवाया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य यह था कि महिलाएं मोटे अनाज से संबंधित बेकरी उद्योग की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें और भविष्य में स्वयं का उद्यम स्थापित करने की दिशा में प्रेरित हो सकें। भ्रमण के दौरान महिलाओं ने बिस्किट, नमकीन एवं अन्य बेकरी उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया, मशीन संचालन, पैकेजिंग एवं विपणन तकनीकों का अवलोकन किया। ईडीआईआई के ट्रेनर और मोटीवेटर गिरधर सिंह बिष्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पूर्व रायपुर विकासखण्ड की कोटिमयचक ग्राम पंचायत की 26 महिलाओं को 18 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 8 दिन उद्यमिता विकास और 10 दिन मोटे अनाज से बिस्किट्स एवं नमकीन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया था। बिष्ट ने बताया कि अब प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को समूह में संगठित किया जाएगा और उन्हें उत्पादन इकाई स्थापित करने हेतु आवश्यक मशीनें भी प्रदान की जाएंगी, ताकि वे स्वयं का उद्यम प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकें। ईडीआईआई और आईडीबीआई बैंक के इस संयुक्त प्रयास से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं सशक्त होकर आजीविका के बेहतर अवसर प्राप्त कर रही हैं।

'कारगिल विजय' प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय

❑कारगिल विजय दिवस पर राज्यपाल ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने चीड़बाग स्थित शौर्य स्थल में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने चीड़बाग स्थित शौर्य स्थल में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस उन वीर सपूतों के सम्मान का दिन है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि कारगिल की कठिन और विषम परिस्थितियों में भारतीय सेना ने अदम्य साहस और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए दुश्मनों को परास्त कर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। यह विजय प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि यह दिवस न केवल शौर्य और बलिदान की गाथा को याद करने का अवसर है, बल्कि यह हमें यह भी प्रेरणा देता है कि हम प्रत्येक परिस्थिति के लिए मानसिक और रणनीतिक रूप से सदैव तैयार रहें।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में उत्तराखण्ड के वीर जवानों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। प्रदेश की वीरभूमि ने अनेक रणबांकुरों को जन्म दिया है, जिन्होंने इस युद्ध में असाधारण पराक्रम का परिचय दिया। राज्यपाल ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए बलिदान देने वाले वीरों के परिवारजनों, वीरांगनाओं और युद्ध में घायल हुए सैनिकों के प्रति समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उनकी सेवा और सहायता करना ही शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल में ही परमवीर चक्र विजेता को मिलने वाली अनुग्रह राशि को डेढ़ करोड़ रुपये कर दिया है जो पूर्व में 50 लाख रूपये थी, यह सैनिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों और एनसीसी कैडेट्स से भी संवाद किया तथा कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरांगनाओं को सम्मानित कर उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल एम पी एस गिल, ज्वाइंट चीफ हाइड्रोग्राफर एनएचओ, एडमिरल पीयूष पॉसी, स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर आरएस थापा के साथ-साथ नौसेना और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी, जेसीओ और देहरादून स्टेशन के सैनिक भी शामिल हुए।

केदार घाटी में बादल फटा, भारी तबाही

❑रूमसी गांव में घर व वाहन मलबे में दबे

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राज्य में मानसूनी आपदा का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है बीती रात रुद्रप्रयाग के रूमसी गांव में बादल फटने से भारी तबाही की खबर है। पहाड़ से तेज पानी के साथ आए बोल्डरों और मलबे ने घरों और वाहनों का भारी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि किसी तरह की जान हानि की कोई खबर नहीं है। इसके अलावा केदारनाथ पैदल मार्ग पर गौरीकुंड के पास पहाड़ों से भारी मलवा और बोल्डरों के आने से मार्ग बाधित हो गया है तथा आवागमन ठप हो गया है। फिलहाल यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है।

बीती रात रूमसी गांव में बादल फटने की घटना के बाद एसडीआरएफ और पुलिस प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई है। तथा बचाव व राहत का कार्य किया जा रहा है। पहाड़ से भारी मात्रा में आए मलबे के कारण कई घरों को नुकसान पहुंचा है तथा कुछ वाहन भी मलबे में दब गए हैं। घटना के बाद से क्षेत्र वासियों में दहशत का भी माहौल है इस घटना में अभी तक किसी तरह के जान के नुकसान की खबर नहीं है लेकिन सड़क व कच्चे मार्गों के साथ घरों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। कई कई फीट मलवा व पत्थर घरों में घुस गए हैं। उधर गौरीकुंड के पास पैदल मार्ग पर पहाड़ी से मलवा आने से केदारनाथ आने जाने का मार्ग अवरूद्ध हो गया है। यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है तथा मार्ग से मलवा हटाने का काम जारी है। वही विष्णु प्रयाग से भूस्खलन की खबर है पहाड़ से मलवा आने के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है जिससे मंदिर व आबादी क्षेत्र को खतरा पैदा हो गया है।

युवती की संदिग्ध मौत से सनसनी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सुबह सवेरे एक युवती का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से क्षेत्र मे सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि युवती की पहचान नहीं हुई है। जिसके प्रयास जारी है।

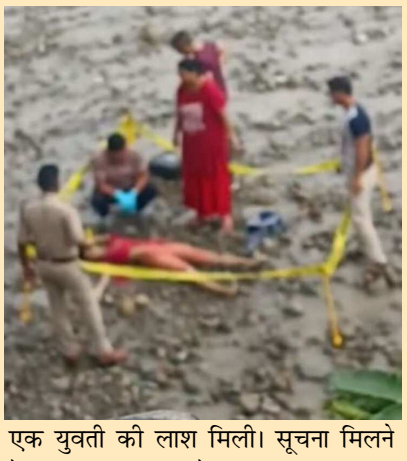

मामला मुखानी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार हल्द्वानी से कालाढूंगी को जाने वाली रोड पर भाखड़ा पुल पर नदी में आज सुबह एक युवती की लाश मिली। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। हालांकि युवती की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवती की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की प्रक्रिया पूरी कर ली है और और शव को कब्जे में लेकर शव विच्छेदन गृह भेज दिया है रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

यूसीसी में प्रतिदिन औसत 1634 विवाह पंजीकरण

संवाददाता

देहरादून। यूसीसी में प्रतिदिन औसत 1634 विवाह पंजीकरण हुए हैं। यहां इसी वर्ष 27 जनवरी से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद, विवाह का पंजीकरण अनिवार्य हो गया है। तब से यूसीसी एक्ट के तहत प्रतिदिन औसत 1634 शादियों का पंजीकरण हो रहा है। जबकि, इससे पहले 2010 के एक्ट में होने वाले विवाह पंजीकरण का प्रतिदिन औसत मात्र 67 ही था। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने से पहले, उत्तराखंड विवाह पंजीकरण अधिनियम 2010, के तहत शादियों का पंजीकरण होता था। लेकिन तब बहुत कम लोग विवाह पंजीकरण कराते थे, 2010 से लागू इस एक्ट के तहत, 26 जनवरी 2025 तक कुल 3,30,064 विवाह पंजीकरण हुए, इस तरह पुराने एक्ट के अनुसार प्रतिदिन औसत विवाह पंजीकरण की संख्या 67 तक ही पहुंच पाई थी। लेकिन अब 27 जनवरी 2025 से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद, विवाह पंजीकरण में जबरदस्त उछाल आया है। ठोस कानून और आसान प्रक्रिया के चलते लोग अब विवाह पंजीकरण के लिए खूब उत्साह दिखा रहे हैं। स्थिति यह है कि 27 जनवरी 2025 से अब तक यूसीसी के तहत होने वाले विवाह पंजीकरण की संख्या 3,01,526 पहुंच गई है।

इस तरह यूसीसी के बाद होने वाले प्रतिदिन विवाह पंजीकरण का औसत 1634 बैठ रहा है। जो पिछले कानून के मुकाबले कई गुना अधिक है। इधर, सरकार ने यूसीसी के तहत विवाह पंजीकरण कराने की वर्तमान समय सीमा, छह माह से बढ़ाकर एक साल कर दी है। इ

स संबंध में विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इससे उन लोगों को सुविधा रहेगी जो किसी कारण से अब तक यूसीसी के तहत विवाह पंजीकरण नहीं करा पाए थे। समान नागरिक संहिता के तहत होने वाले पंजीकरण की संख्या दिन प्रति दिन बढ़ रही है। इससे कानून की व्यापकता और सार्थकता का पता चलता है। समान नागरिक संहिता के तहत होने वाला प्रत्येक पंजीकरण, एक मजबूत समाज की दिशा में ठोस कदम है। इससे महिलाओं के हित खासकर सुरक्षित हो रहे हैं।

झारखंडः सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में 3 नक्सलियों को मार गिराया

कार्यालय संवाददाता

गुमला। छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब पड़ोसी राज्यों में माओवादियों के खिलाफ अंतिम लड़ाई शुरू हो चुकी है। केंद्र सरकार के निर्देश पर छत्तीसगढ़ समेत सभी राज्यों में वामपंथी उग्रवादियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में झारखंड के गुमला जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। पुलिस ने बताया कि मौके से एक एके-47 और दो इंसास राइफलें बरामद की गईं। दरअसल खुफिया जानकारी मिली थी कि भाकपा (माओवादी) से अलग हुए झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी)

के सदस्य घाघरा के जंगल में इकट्ठा हुए हैं और सुरक्षा बलों पर हमले की योजना बना रहे हैं। गुमला के एसपी हारिस बिन जामा ने बताया कि, "घाघरा के जंगल क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें तीन माओवादी मारे गए। एक शव की पहचान जेजेएमपी के सब-जोनल कमांडर दिलीप लोहारा के रूप में हुई है।" झारखंड पुलिस के महानिरीक्षक (अभियान) माइकल एस राज ने बताया कि, गुप्त सूचना के आधार पर झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया, जिसमें दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं। गोलीबारी बंद होने के बाद मौके से एक एके-47 और दो इंसास राइफलें बरामद की गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के पाँच जिलों में कुल 66 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 49 नक्सलियों पर कुल 2.27 करोड़ रुपये का इनाम था। बीजापुर में 25, दंतेवाड़ा में 15, कांकेर में 13, नारायणपुर में आठ और सुकमा में पाँच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 27 महिलाएँ थीं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।